



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1183]
No. 1183]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 5, 2006/आश्विन 13, 1928
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 5, 2006/ASVINA 13, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 2006

New Delhi, the 5th October, 2006

सं. 35 (आर.ई.-2006)/2004-2009

No. 35 (RE-2006)/2004-2009

का. आ. 1712(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के पैराग्राफ 2.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, विदेश व्यापार नीति (2004-2009) के पैराग्राफ 3.8.3 के पहले वाक्य को एतद्वारा निम्नलिखित रूप से संशोधित/ठीक करती है :-

S.O. 1712(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992 read with paragraph 2.1 of the Foreign Trade Policy, 2004-2009, the Central Government hereby amends/corrects the first sentence of para 3.8.3 of Foreign Trade Policy (2004-2009) as under :-

“ड्यूटी क्रेडिट का इस्तेमाल पूँजीगत माल सहित वस्तुओं अथवा निविष्टियों के आयात के लिए किया जा सकता है जो कि अन्यथा निर्यात और आयात मदों के आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण के अन्तर्गत मुक्त रूप से आयात के योग्य है।”

“The Duty Credit may be used for import of inputs or goods including Capital Goods, which are otherwise freely importable under ITC(HS) classifications of Export and Import Items.”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

This issues in public interest.

[फा. सं. 01/94/162/337/एएम 07/पीसी-1]

[F.No. 01/94/162/337/AM 07/PC-1]

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार और पदेन अपर सचिव

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade and ex-officio Addl. Secy.